कार्यालय प्राचार्य, शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग.)

''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' के तहत गुजराती व्यंजनों का प्रशिक्षण

राजनांदगांव : ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' के तहत राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के तत्वाधान में शासकीय कमलादेवी राठी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, राजनांदगांव में विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है । दिनांक 22.01.2020 को स्टेटहूड डे सेलेब्रेशन कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय की छात्राओं को गुजराती व्यंजन तैयार करने की प्रविधि सिखाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण के साथ प्रारम्भ हुआ । इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.सुमन सिंह बघेल ने कहा कि खान–पान का तरीका किसी भी समाज की संस्कृति का अहम हिस्सा होती है । गुजरात के विविध व्यंजनों की जानकारी प्राप्त किए बिना गुजराती संस्कृति का सम्पूर्ण परिचय सम्भव नहीं है । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए आयोजन समिति के सदस्यों एवं प्रतिभागी छात्राओं को बहुत–बहुत शुभकामनाएं कि वे अपने उद्देश्यों में सफल हो ।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) की प्रभारी प्राध्यापक डॉ.निवेदिता ए.लाल ने इस अवसर पर कहा कि गुजराती व्यंजन न केवल देश बल्कि पूरे विश्व में लोकप्रिय है । दुनिया के बड़े – बड़े शहरो में आपको गुजराती व्यंजनों के रेस्टोरेंट मिल जाएगे । इस प्रशिक्षण को छात्राओं के व्यवसायिक विकल्प की तैयारी के रूप में भी देखा जाना चाहिए ।

राजनांदगांव स्थित होटल मयूर की संचालिका एवं गुजराती व्यंजनों की विशेषज्ञ श्रीमती धारा राचया द्वारा विभिन्न गुजराती व्यंजनों जैसे ढोकला, थेफला, सेव टमाटर की सब्जी, हॉडवा, चुरमा लड्डू एवं खांडवी तैयार करने की प्रविधियो से छात्राओं को अवगत कराया गया। उन्होंने छात्राओं के सम्मुख उक्त व्यंजनो को स्वयं तैयार कर के दिखाया ।

कार्यक्रम का संचालन ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' अभियान की महाविद्यालयीन इकाई के समन्वयक एवं प्राणीशास्त्र. के सहायक प्राध्यापक श्री आलोक कुमार जोशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उक्त अभियान के तहत प्रमुख गतिविधि के रूप में गुजराती व्यंजनों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है, क्योकि किसी भी स्थान या क्षेत्र के व्यंजनों को ग्रहण करने से उस स्थान विशेष के प्रति आत्मीय लगाव तथा भावनात्मक संबंध विकसित होता है,

जो भविष्य में सांस्कृतिक एकता का प्रमुख आधार बनती है । यही इस कार्यक्रम के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है । महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती ममता आर.देव अपने साथी सुश्री रेणु त्रिपाठी और गृहविज्ञान विभाग की छात्राओं के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रही । उनके द्वारा गुजराती व्यंजनों को तैयार कराने एवं प्रशिक्षण में अपना विशेष सहयोग प्रदान किया गया।

संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष एवं ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' आयोजन समिति के सदस्य श्रीमती रामकुमारी धुर्वा ने आयोजन में आमंत्रित विशेषज्ञ महोदया श्रीमती धारा रायचा, प्राचार्य डॉ.श्रीमती सुमन सिंह बघेल एवं सभी छात्राओं के प्रति आभार प्रदर्शन किया जिनका प्रत्यक्ष एवं परोक्ष सहयोग कार्यक्रम के सफल आयोजन में रहा । मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.बसंत कुमार सोनबेर एवं वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.लाली शर्मा कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से उपस्थित रहे और अपना सहयोग प्रदान किया ।